विप्रसेतु

समग्र समाजोत्थान को समर्पित मासिक समाचार पत्र

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस

समर्थ युवा सशक्त भारत

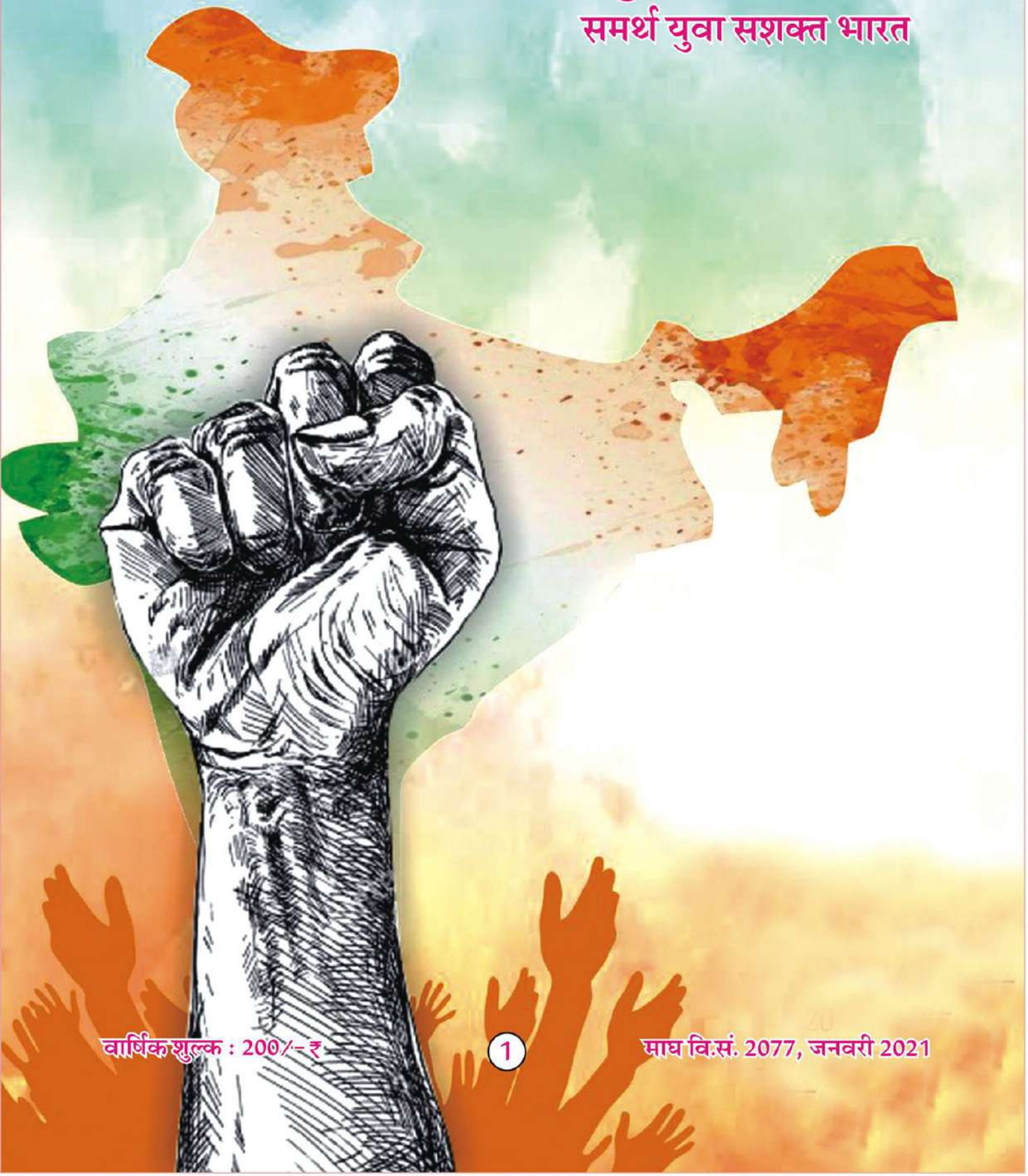

वार्षिक शुल्क : 200/- ₹

1

माघ वि.सं. 2077, जनवरी 2021

रचनात्मकता की मूल निर्माता सह पाठ्यक्रम गतिविधियां हैं

- अमय मनोज शर्मा, नागपुर

श्री अमय शर्मा आत्मज CA मनोज नथहाल, नागपुर चार्टर्ड अकाउंटेंसी कोर्स कर रहे हैं और वर्तमान में सीए फाइनल में है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कराधान के क्षेत्र में आपकी विशेष रुचि है।

ICAI की कान्फ्रेंस में कराधान पर आपने कई बार व्याख्यान दिये हैं और विभिन्न मंचों, पत्र-पत्रिकाओं में [illegible] पर आलेख लिखते रहे हैं। इतना ही नहीं कराधान पर साप्ताहिक अपडेट की जानकारी हेतु एक साप्ताहिक टैक्स पत्रिका TAX WEEKLY भी संपादित कर रहे है जिसे काफी सराहा गया है ।

www-amaymsharma.com

शिक्षा आपके जीवन के उद्देश्य का निर्धारण करती है कि आप अपने जीवन में कितना सफल होंगे परन्तु किताबी शिक्षा को सिर्फ परीक्षा उत्तीर्ण करने के हेतु नहीं बल्कि ज्ञान एवं व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से पढ़नी चाहिए।

शिक्षा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य छात्रों का किताबी शिक्षा के अलावा, सभी अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेना, उसमें उनकी रुचि जगाना एवं उससे उनके सोचने और विश्लेषण करने के तरीकों को एक रचनात्मक दिशा देना है । सह पाठ्यक्रम गतिविधियां ही एक मूल नींव हैं जहां पर छात्रों को सही अवसर, साधन, निर्देशन एवं उचित विचार-विमर्श करने का सही प्लेटफार्म मिलता है । सह पाठ्यक्रम छात्रों के सम्पूर्ण रूप में विकास करने के लिए अनिवार्य है।

रचनात्मक सोच को फिर किताबी शिक्षा पर लागू करना सोने पे सुहागा जैसा है ।

अहमद ज़ाकी यमानी के शब्दों में 'पाषाण युग इसलिए खत्म नहीं हो गया था क्योंकि उनके पास पत्थर खत्म हो गए थे' बल्कि इसलिये कि अविष्कारों ने उनकी जगह ले ली। ये चीजें रचनात्मक सोच से ही मुमकिन है। किताबों के बाहर का सोचना, उस पर आकलन करना और उसे कार्य करते वक्त अमल में लेना, ये वर्क प्रोसेस और एफिशिएंसी को नयी दिशा देता है ।

वैज्ञानिक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर, इंजीनियर एवं अन्य सभी प्रोफेशनल एवं बिजनेसमैन, जिस भी मुकाम पर हैं वो शिक्षा और मेहनत के कारण ही हैं। फर्क उनमें और अन्य सभी में मात्र रचनात्मक सोच को अपनी शिक्षा विचारशैली पर अमल करने का है।

डोनाटेल्ला वर्साचे के शब्दों में 'रचनात्मकता विचारों के द्वन्द से आती है' सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां भी इन्हीं आइडियाज को डिस्कवर करने में मदद करती हैं। यह बचपन से ही उन्हें रचनात्मक विचार शैली को धारण करने के लिए उत्साहित करता है। आर्ट्स, स्पोर्ट्स फिर चाहे इंडोर हो या आउटडोर, म्यूजिक, ड्रामा, कंप्यूटर लैब, क्रिएटिव प्रोजेक्ट मेकिंग, एक्सपेरिमेंट्स एवं अन्य चीजें शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होनी चाहिए।

क्रिएटिव प्रोजेक्ट मेकिंग

क्रिएटिव प्रोजेक्ट मेकिंग में स्टूडेंट्स को एक विषय (टॉपिक) दिया जाता है। चूंकि हर विषय पर प्रोजेक्ट बनाने के अनगिनत आइडियाज होते हैं, हमें इसमें हर टॉपिक को विस्तार में जानने का, विचार विमर्श कर अन्य तरीके खोजना, उन्हें बनाने में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट स्किल्स उपयोग करने का अवसर मिलता है ।

माया अन्जेलो के शब्दों में 'रचनात्मकता कभी खत्म नहीं हो सकती, जितना आप उसका इस्तेमाल करेंगे वह उतनी ही बढ़ती जाएगी।' प्रोजेक्ट मेकिंग भी एक ऐसा ही सागर है जहाँ सोच की कोई सीमाएं नहीं हैं, अनगिनत आइडियाज किसी भी प्रोजेक्ट के लिए सोची जा सकते हैं और उन्हें कैसे अमल में लाना यह तो छात्र पर स्वयं निर्भर करता है ।

ग्रुप प्रोजेक्ट मेकिंग भी अपने आप में एक अवसर है सब के साथ मिलकर एवं सब में काम बाँटकर और एक सही दिशा के साथ उसे पूर्ण करने का । हर एक की बात सुनना, उनके आइडियाज को समझना, नयी चीजों के बारे में सीखना, फिर उनमें से एक उपयुक्त आइडिया को चुनना, वाद-विवाद व विमर्श को सुलझाना और एक साथ मिलकर एक रचनात्मक प्रोजेक्ट का निर्माण करना। इसमें हमारी नेतृत्व करने की कुशलता की भी परीक्षा होती है।

कम्प्यूटर लैब

कम्प्यूटर लैब का होना भी हर स्कूल में आज के दौर में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। चूंकि लगभग हर काम आज कम्प्यूटर पर ही किया जाता है, उसकी समझ छात्रों में होना जरूरी है। कम्प्यूटर एक साधन है जिसमें कंप्यूटिंग स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स, मैथमेटिक्स एंड लॉजिकल रेसोनिंग का उपयोग करना पड़ता है। कम्प्यूटर के विषय में जितनी बातों की कल्पना की जा सकती है कम है। कम्प्यूटर चलाने की समझ और उससे उपयुक्त आउटपुट निकालने का कौशल सिर्फ उसे प्रयोग में लेने से ही आ सकता है।

मेरिधन विलियमसन के शब्दों में 'रचनात्मक कार्य का सबसे ऊँचा पुरस्कार जो हमें मिल सकता है वह रचनात्मक होने का सुख है' और कम्प्यूटर तो अपने आप में ऐसे चीज़ जहाँ अधिकतर छात्रों की रुचि एवं जिज्ञासा होती है।

कम्प्यूटर आज के दौर में जरूरत की चीजों में आता तो है ही, परन्तु रचनात्मक आइडियाज को दिशा देना एवं अमल में लेने का एक बेहतरीन माध्यम भी है। एक्सेल, एडिटिंग सॉफ्टवर्स, लोगो डिजाइनिंग, ग्राफिक्स डिजाइनिंग, कम्प्यूटर प्रोग्राम मेकिंग, इनफार्मेशन एक्सचेंज अत्यादि ऐसे चीजें हैं जहाँ रचनात्मक आइडियाज का और गहराई में अन्वेषण किया जा सकता है। तो अनिवार्य यह भी है कि छात्रों को उपयुक्त अवसर एवं निर्देशन दिया जाये, उसमें अनगिनत एक्सपेरिमेंट्स करने का।

साइंस एक्सपेरिमेंट्स एंड प्रोजेक्ट्स

साइंस एक्सपेरिमेंट्स एंड प्रोजेक्ट्स भी एक ऐसी चीज़ है जहाँ छात्रों की जिज्ञासा होती है। साइंस एक्सपेरिमेंट्स का हर विषय नया एवं चुनौतीपूर्ण होता है । इसमें हम किसी भी प्रोजेक्ट को बनाना सीख तो सकते हैं परन्तु उसे अमल में लाने के लिए एवं उसमे अपने हिसाब से सुधार करने के लिए उसे स्वयं बना कर देखना अनिवार्य है।

साइंस एक्सपेरिमेंट्स जो जब हम बना के लिए बैठते है तो हर कदम पे नयी चीजे सिखने मिलती है, काफी मसले भी सुलझाने पड़ते है और एक रचनात्मक तरीके से उसे पूर्ण करना पड़ता है। यह भी 6 अपने आप में एक विशाल जरिया है जहाँ रचनात्मक सोच की कोई पाबंदी नहीं है ।

अन्य सभी गतिविधियां

क्लास डिबेट्स, ड्रामा, स्पोर्ट्स फिर चाहे इंडोर हो या आउटडोर, म्यूजिक, मंथली और एनुअल इवेंट्स, मेडिटेशन, इत्यादि भी ऐसी ही चीजें हैं जहाँ सब को भाग लेना चाहिए। इनका मूल फायदा ओवरऑल पर्सनालिटी डेवलपमेंट है ।

अंततः यह कहना एकदम उचित होगा की सह पाठ्यक्रम गतिविधियां छात्रों को गहराई से

सोचने-विचारने की क्षमता को बढ़ा सकती है। स्कूलों की जिम्मेदारी यह है की वे बच्चो को पर्याप्त समय व साधन प्रदान करें, उनका मार्गदर्शन करें और प्रयास इन गतिविधियों को एकेडेमिक्स में ही शामिल करने का होना चाहिए ताकि वो सब के लिए अनिवार्य हो जाये। माता पिता का भी कर्तव्य बनता है की वे बच्चो को सह पाठ्यक्रम गतिविधियो में हिस्सा लेना की अनुमति और स्वतंत्रता प्रदान करें और छात्रों को भी कोशिश हमेशा होनी चाहिए की वे इन गतिविधियों में दिलचस्पी ले, हर विषय पे गहराई से सोचे और उन्हें पूर्ण करने के लिए रचनात्मक विचारों को अमल में लाना चाहिए।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

किशन जी माली की दुकान

KS

KISHAN SWEETS

DAUJI ROAD, BIKANER

Phone : 0151-2541238, 2542553

e-mail : kishan@kishansweets.com

Website : www.kishansweets.com

विशेषज्ञ : केशर फीनी, केशर पेठा, राजभोग, रसमलाई

हमारे यहाँ शुद्ध देशी घी की मिठाईयाँ व नमकीन निर्मित की जाती है।

प्रो. सत्यनारायण सिंगोदिया मो. 098281-47066